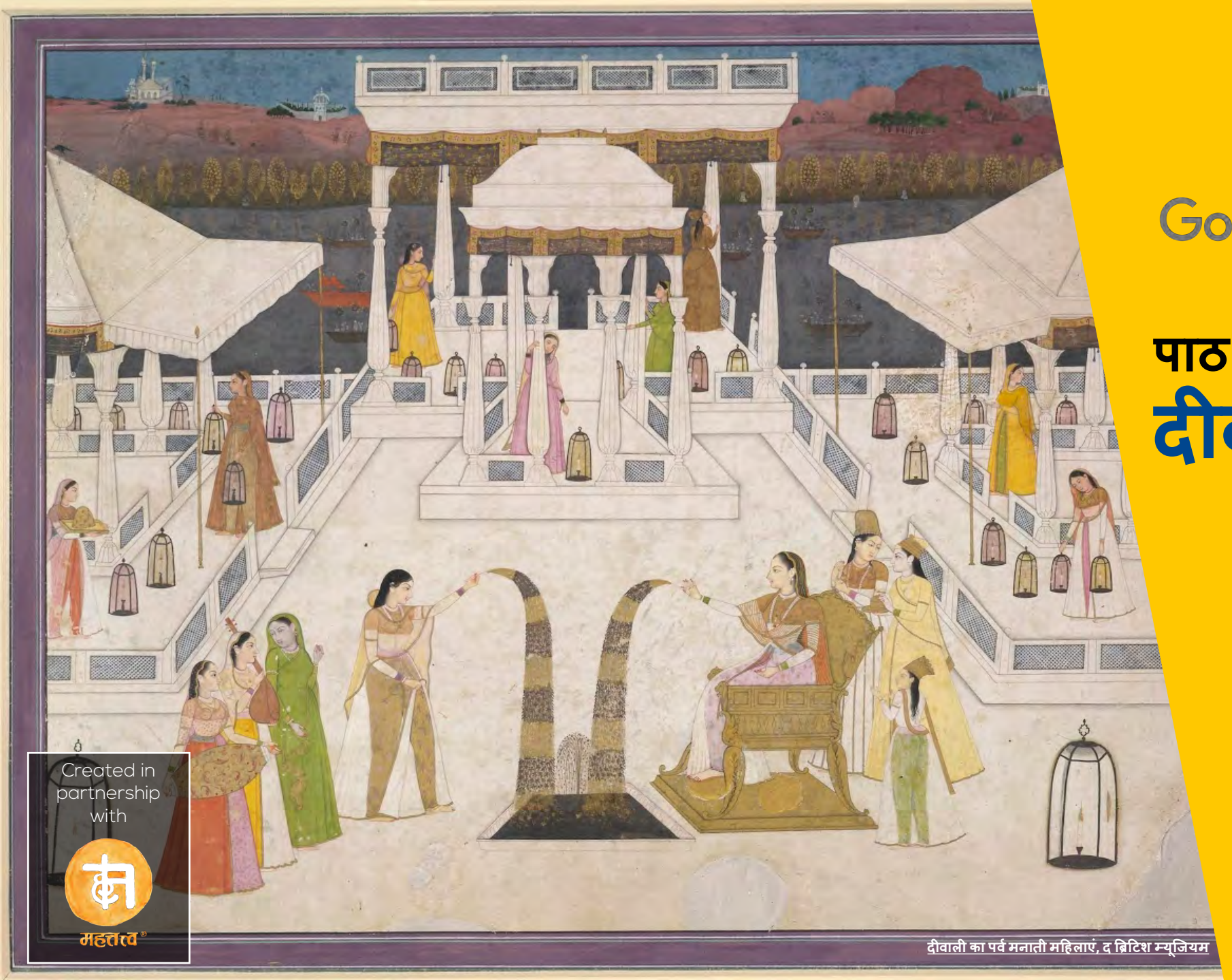

दीवाली का पर्व मनाती महिलाएं, द ब्रिटिश म्यूजियम

Google Arts & Culture

पाठ योजना:
दीवाली, घर पे

Created in partnership with महत्त्व®

यह पाठ वैश्विक स्तर पर लोगों के लिए बनाया गया है। इस पाठ को आप चाहें तो अकेले पूरा कर सकते हैं या अपने दोस्तों या शिक्षक या किसी व्यक्ति के साथ मिलकर पूरा कर सकते हैं।

इस पाठ में शामिल चीजें वैसे तो अलग-अलग आयुवर्ग के लोग पढ़ सकते हैं लेकिन इसे विशेष रूप से १३ वर्ष या उससे बड़ी उम्र के विद्यार्थियों के लिए बनाया गया है।

फूल रंगोली डिजाइन, कल्चर चौराहा, २०२०

पाठ सारांश

अनुमानित अवधि: **३ सत्र (९० मिनट प्रति सत्र)**

१

इस इकाई में **आप** दीवाली से जुड़ी कथाओं और इस त्योहार से संबंधित देवी देवताओं के बारे में जानेंगे।

२

आप दीवाली से जुड़ी विभिन्न परंपराओं और रीति-रिवाजों से परिचित होंगे जैसे कि अइपन और रंगोली। आप इसे मनाने की अलग-अलग शैलियों और दीपों की परंपराओं से भी परिचित होंगे।

३

आप हिंदुस्तान की कारीगरी और हस्तकला के बारे में जानेंगे। आपको पता चलेगा कि ये किस तरह दीवाली के रीति-रिवाजों और परंपराओं से गहराई से जुड़ी हैं।

गूगल आर्ट्स & कल्चर में ढेरों तस्वीरें, प्रदर्शन योग्य चीजें, और वर्चुअल टूर शामिल हैं जिसे आप देख सकते हैं। आगे आने वाली मजेदार यात्रा के लिए तैयार हो जाइए।

संसाधन

इस पाठ के लिए आवश्यक संसाधनों की सूची

इंटरनेट कनेक्शन के साथ आईटी यंत्र

कागज/नोटबुक, कलम, पेंसिल, कैंची, गोंद, वगैरह

पेंट, ब्रश, चित्रकारी के लिए कागज जैसी कला संबंधी वस्तुएं

कुछ अन्य वस्तुओं की भी जरूरत हो सकती है जैसे कि:

- दीया बनाने के लिए क्ले, प्लास्टीसीन, या गुंधा हुआ आटा
- परंपरागत दीवाली के व्यंजन बनाने के लिए आवश्यक सामान
- अगर आप रामायण के बारे में कठपुतली प्रदर्शन करना चाहते हैं तो इसके लिए कला संबंधी वस्तुएं

पीतल की प्लेट, पीतल के गिलास, पीतल की कटोरी, पीतल की कोस्टर, पीतल की डब्बी, पंजाबी ठठेरा आर्ट लिगेसी (पी-टी ए एल)

शब्दावली

इन शब्दों का अर्थ आपके लिए जानना जरूरी होगा

अग्रदूत, अनुकूलन, अनुष्ठान, अभिन्न, अवतार, असुर, आख्यान, उल्लास, चित्रावली, तेज, धूमधाम, नवीकरण, प्रतिपालन करना, भारतीयता से सम्बंधित - इंडिक, मुद्रा, रूपांतरण, वेन आरेख, शुभ-मंगलसूचक, षड्यंत्रकारी, सांकेतिक, सूचक, समृद्धि:, समुद्र मंथन, सृजनात्मकता, सहसंबंध, सूक्ष्मतम, हस्तशिल्प

दीवाली रोशनी, समूलम

संकेत-चिह्न

संकेत चिह्नों की सूची

इसका उपयोग विशेष ध्यान देने वाले सवालों और महत्वपूर्ण निर्देशों के लिए किया जाता है।

इस संकेतक का इस्तेमाल विशेष सवालों के जवाब के लिए किया जाता है।

इसे उन सवालों को दर्शाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जिनके लिए स्वतंत्र रूप से शोध की जरूरत होती है।

इसका प्रयोग उन कहानियों को दर्शाने के लिए किया जाता है जिनसे आप उस विषय के बारे में और अधिक जानकारी पा सकते हैं।

इसका इस्तेमाल उन कहानियों या वीडियो को इंगित करने के लिए किया जाता है जिनमें ऑडियो भी शामिल होता है।

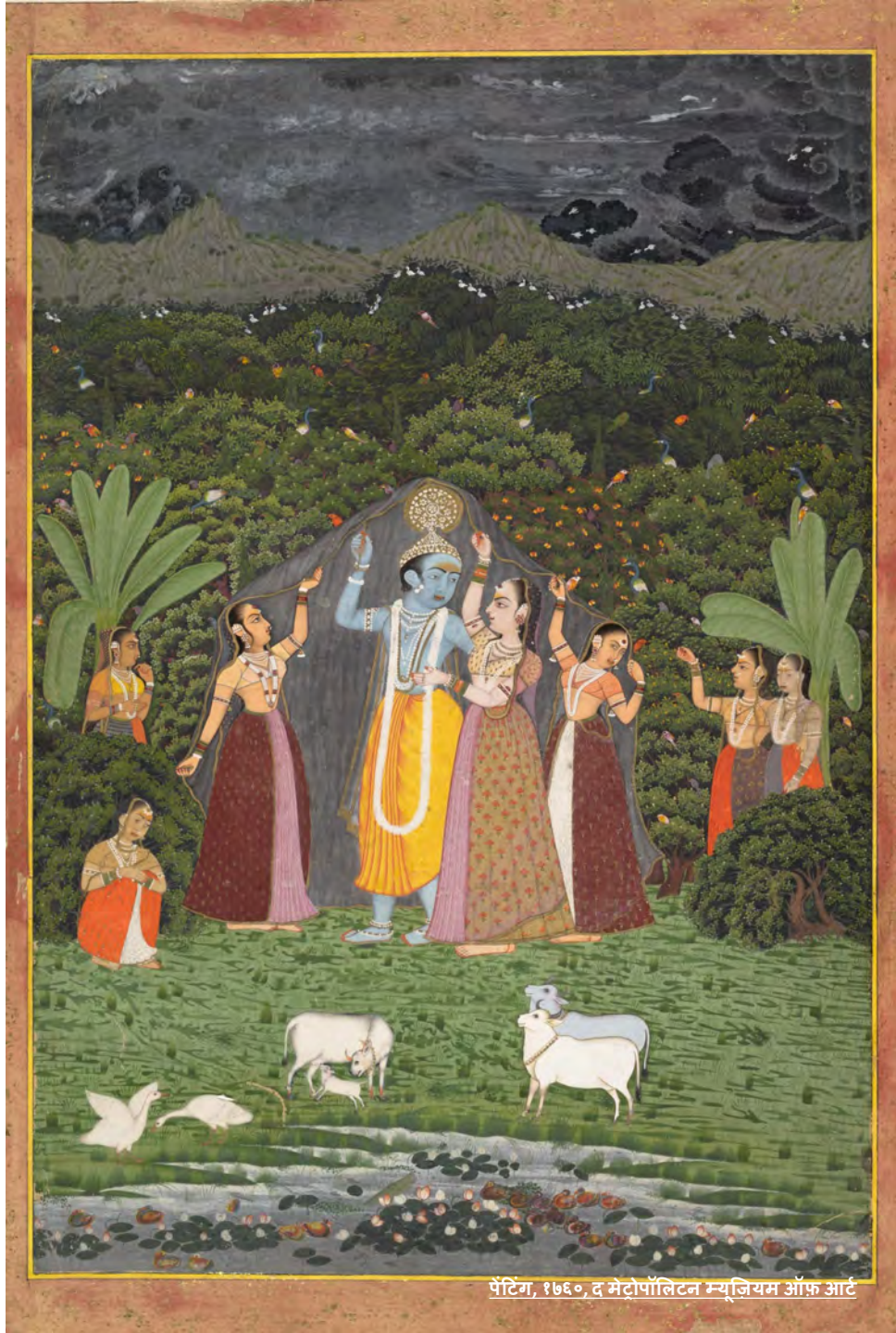

पेंटिंग, १७६०, द मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ़ आर्ट

राधा और कृष्ण रात के आसमान में आतिशबाजी देख रहे हैं, सीताराम, १८वीं शताब्दी के अंत में, राष्ट्रीय संग्रहालय - नई दिल्ली

सत्र-१

पौराणिक कथा, मिथक, और लोक-कथाएं

अनुमानित समय - ९० मिनट

प्रकाश-पर्व दीवाली साल में एक बार हिंदू कैलेंडर के कार्तिक महीने की अमावस की रात को मनाई जाती है। यह मध्य अक्टूबर से मध्य नवंबर के बीच आता है। यह त्योहार बुराई पर अच्छाई तथा अज्ञान पर ज्ञान के विजय के प्रतीक के तौर पर मनाया जाता है।

भारतीय परंपरा के विभिन्न धर्मों के लिए यह एक महत्वपूर्ण त्योहार माना जाता है। दायीं तरफ दी गई कहानी को पढ़ें। इसके बाद इनकी 'तुलना और इनके बीच अंतर' को समझने के लिए नीचे लिखे नेमी को पूरा करें-

तुलना और अंतर

विभिन्न धर्मों के बीच दीवाली मनाने में समानताओं और विभिन्नताओं को रेखांकित कीजिए।

आप इसके लिए ऑनलाइन कुछ और शोध भी कर सकते हैं। आप अपने विचारों को एक वेन आरेख अथवा तालिका में लिख सकते हैं।

दीवाली के त्योहार के पीछे कई किंवदंतियों के बारे में और जानने के लिए यहां क्लिक करें।

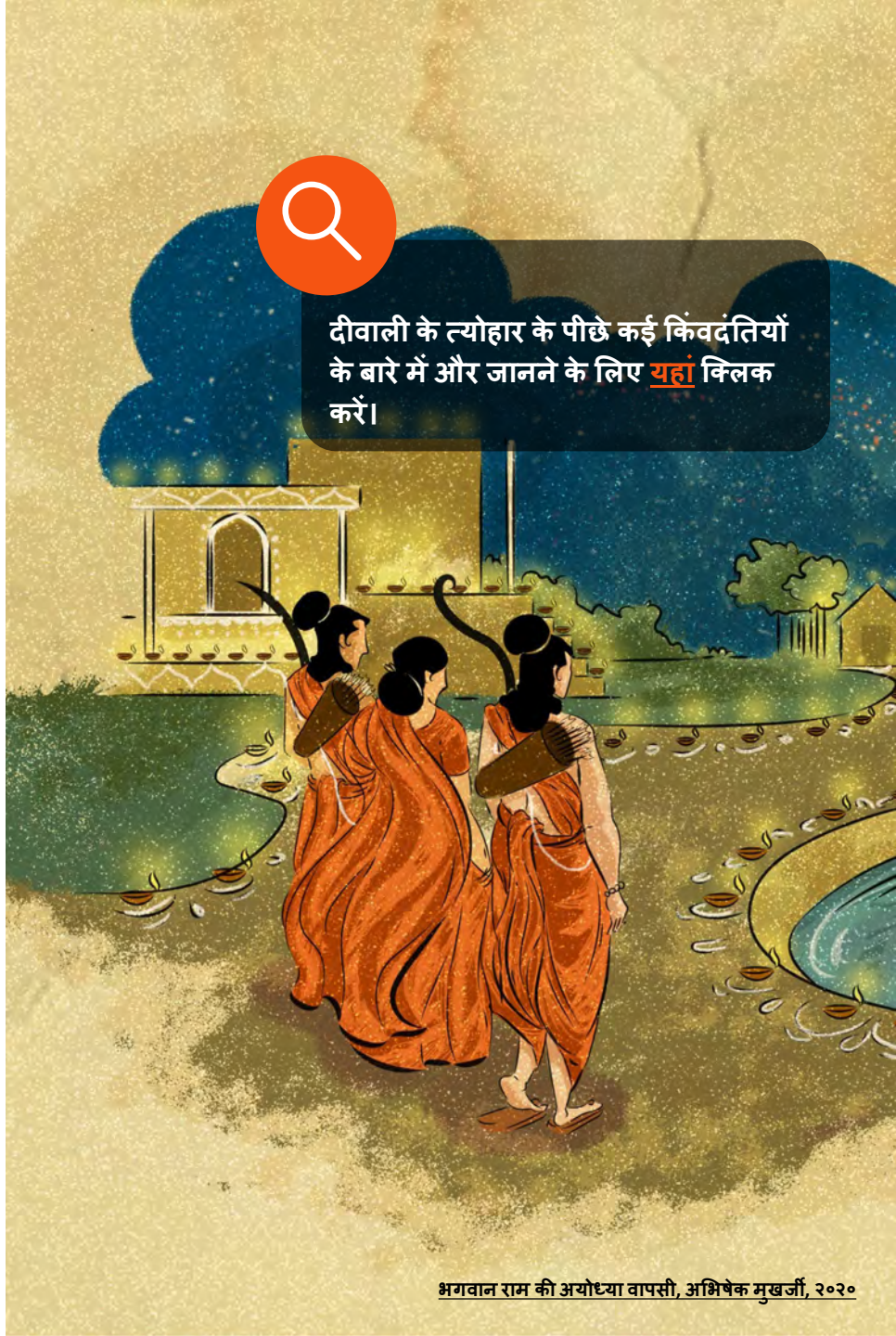

भगवान राम की अयोध्या वापसी, अभिषेक मुखर्जी, २०२०

दीवाली समारोह, अभिषेक मुखर्जी, २०२०

उत्सव के पांच दिन

दीवाली पांच दिनों तक मनायी जाती है। इसमें हर दिन अलग अलग अनुष्ठान होते हैं जिनके साथ विभिन्न मिथक जुड़े हुए हैं।

दीवाली के पांचों दिनों के लिए एक घटनाक्रम बनाइए। आपने 'दीवाली से जुड़ी पौराणिक कहानियों' में जो सीखा उसका प्रयोग कीजिए। आप कहानियों पर दुबारा नजर डाल सकते हैं और अपनी ओर से कुछ शोध कर सकते हैं जिससे आपको इस अभ्यास में मदद मिलेगी।

हिंदू मिथकों पर ध्यान केन्द्रित करें

हरेक दिन के महत्व को रेखांकित करें। अलग-अलग दिनों में किन देवी-देवताओं की पूजा की जाती है? हर दिन के साथ कौन सी कहानी जुड़ी हुई है?

रोजाना आयोजित अनुष्ठानों के बारे में संक्षिप्त विवरण करें

इसमें आपको जो भी प्रासंगिक लगता है वह जानकारी आप घटनाक्रम में डाल सकते हैं।

रामायण

हिंदू महाकाव्य रामायण में भगवान राम के जीवन और उनके कार्यों की कहानी लिखी गयी है। हिन्दू धर्म का पालन करने वाले राम को भगवान विष्णु का अवतार मानते हैं। इस महाकाव्य में बताया गया है कि १४ वर्ष का वनवास बिताने के बाद जब भगवान राम अयोध्या वापस लौटे तो उनके लौटने की घोषणा करने के लिए अयोध्यावासियों ने अपने घरों को दीयों से सजाया।

आप हिंदू महाकाव्य रामायण के बारे में कुछ और ऑनलाइन शोध कर सकते हैं। इस कहानी पर बनी किसी फिल्म या अनुवाद को आप ढूंढने की कोशिश कर सकते हैं। इसके बाद रामायण के बारे में आप एक कथा-मानचित्र बना सकते हैं।

कथा-मानचित्र बनाएं

चार चौकोर खाने बनाएं। रामायण के मुख्य तत्वों को दर्शाने के लिए आप इन चौकोर खानों को परिस्थिति, पात्र, समस्या, और समाधान का नाम दे सकते हैं।

चारों खानों को पूरा करें

आप अपने सहपाठियों के संग मिलकर इसे पूरा कर सकते हैं और दूसरों के साथ साझा कर सकते हैं।

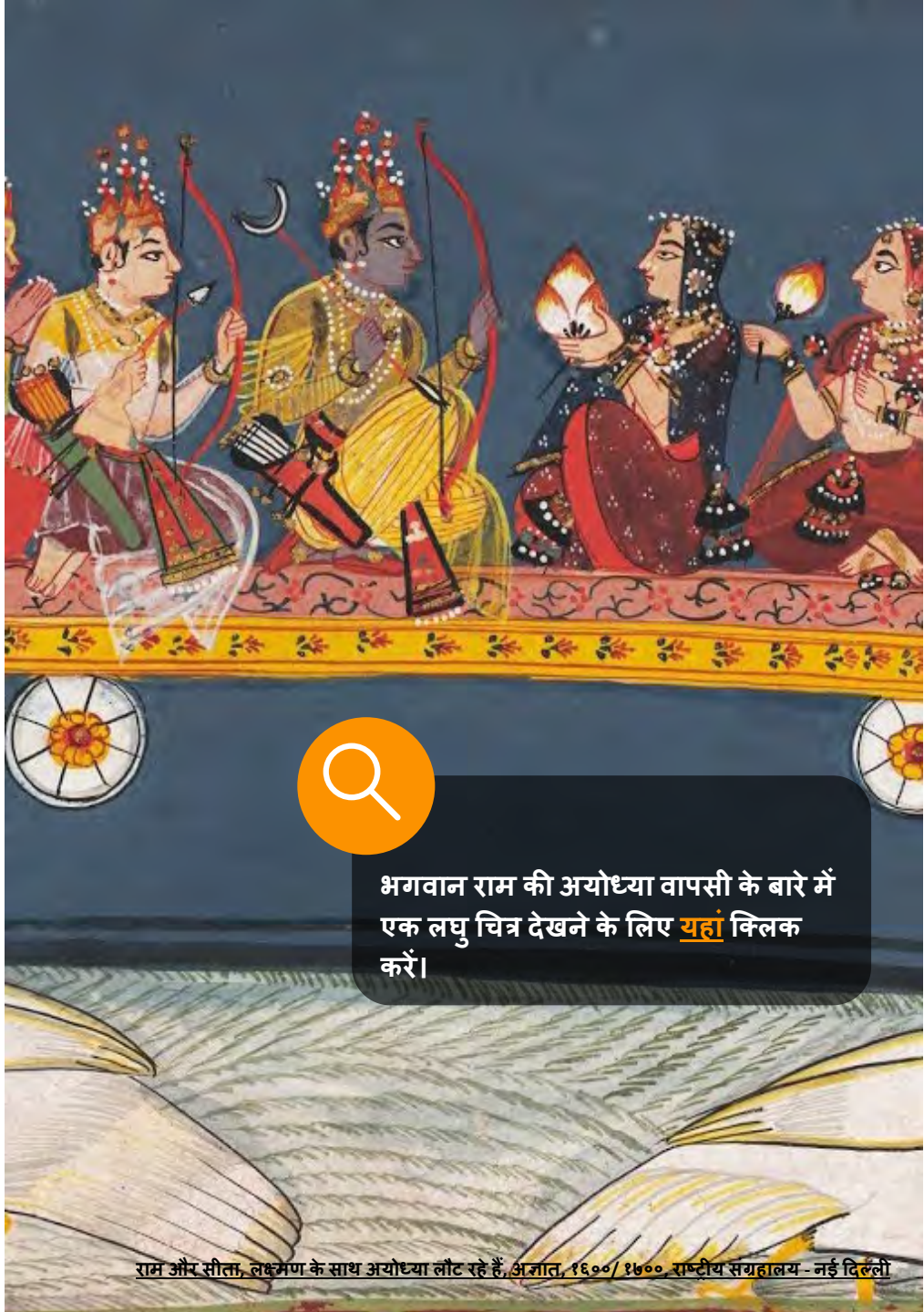

भगवान राम की अयोध्या वापसी के बारे में एक लघु चित्र देखने के लिए यहां क्लिक करें।

राम और सीता, लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौट रहे हैं, अज्ञात, १६००/१७००, राष्ट्रीय संग्रहालय - नई दिल्ली

पांडव भाइयों के बारे में अधिक जानने के लिए यहां क्लिक करें।

पुंटो देवो, सुकर्मन, १९८६/१९८९, यूनिट पेंगेलोला संग्रहालय सेनी

हिंदू महाकाव्य, महाभारत, पांडव भाइयों की कहानी है जो अपने चालबाज चचेरे भाइयों यानी कौरवों के साथ जुए के खेल में अपना सारा राज-पाठ खो देते हैं। लंबे समय तक मुश्किलों का सामना करने के बाद भगवान कृष्ण की मदद से पांडव अपना साम्राज्य वापस पाते हैं। रामायण की ही तरह पांडवों के राज्य की प्रजा उनके घर वापस आने की खुशी में दीये जलाती हैं।

बायीं तरफ दी गयी कहानी को पढ़कर पांडवों के बारे में और भी जानकारी हासिल करें। हरेक के बारे में अलग-अलग हासिल जानकारी को नोट करें।

प्रत्येक पांडव भाई के बारे में विस्तार से वर्णन करें

आप इससे संबंधित अलग से भी शोध कर सकते हैं।

पांडव भाइयों की अलग-अलग रेखाचित्र या उनकी प्रतिमा बनाएं।

केवल अपने द्वारा लिखे गए वर्णन के आधार पर पांडवों को अपनी शैली में दर्शाएं।

देवी लक्ष्मी

कुछ लोग देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु के विवाह के अवसर के तौर पर दीवाली मनाते हैं। अन्य लोग देवी लक्ष्मी के जन्म दिन के रूप में भी दीवाली मनाते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार देवी लक्ष्मी को धन और समृद्धि की देवी माना जाता है। मान्यता है कि असुरों और देवों के द्वारा मिलकर किए गए समुद्र मंथन से देवी लक्ष्मी पैदा हुई थी। उनका स्वागत करने के लिए घरों के दरवाजे और खिड़कियों को दीवाली के दिन खुला रखा जाता है। ऐसी आशा की जाती है कि देवी लक्ष्मी घर में प्रवेश करेंगी और लोगों को समृद्धि और सफलता का आशीर्वाद देंगी।

दाहिनी तरफ दी गयी कहानी को पढ़ें। फिर इसकी व्याख्या 'देखो, सोचो, और गुनो' नेमी के आधार पर करें।

देखो, सोचो, और गुनो।

- कहानी किस चीज के बारे में थी? क्या आपने देवी लक्ष्मी के बारे में कुछ नया जाना?
- छापाखाने के आविष्कार से धर्मों में किस तरह बदलाव आया? इसके बारे में आप क्या सोचते हैं?
- आपको क्या लगता है कि कंपनियों ने भारत में अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए हिंदू देवी-देवताओं की छवि का इस्तेमाल क्यों शुरू किया?

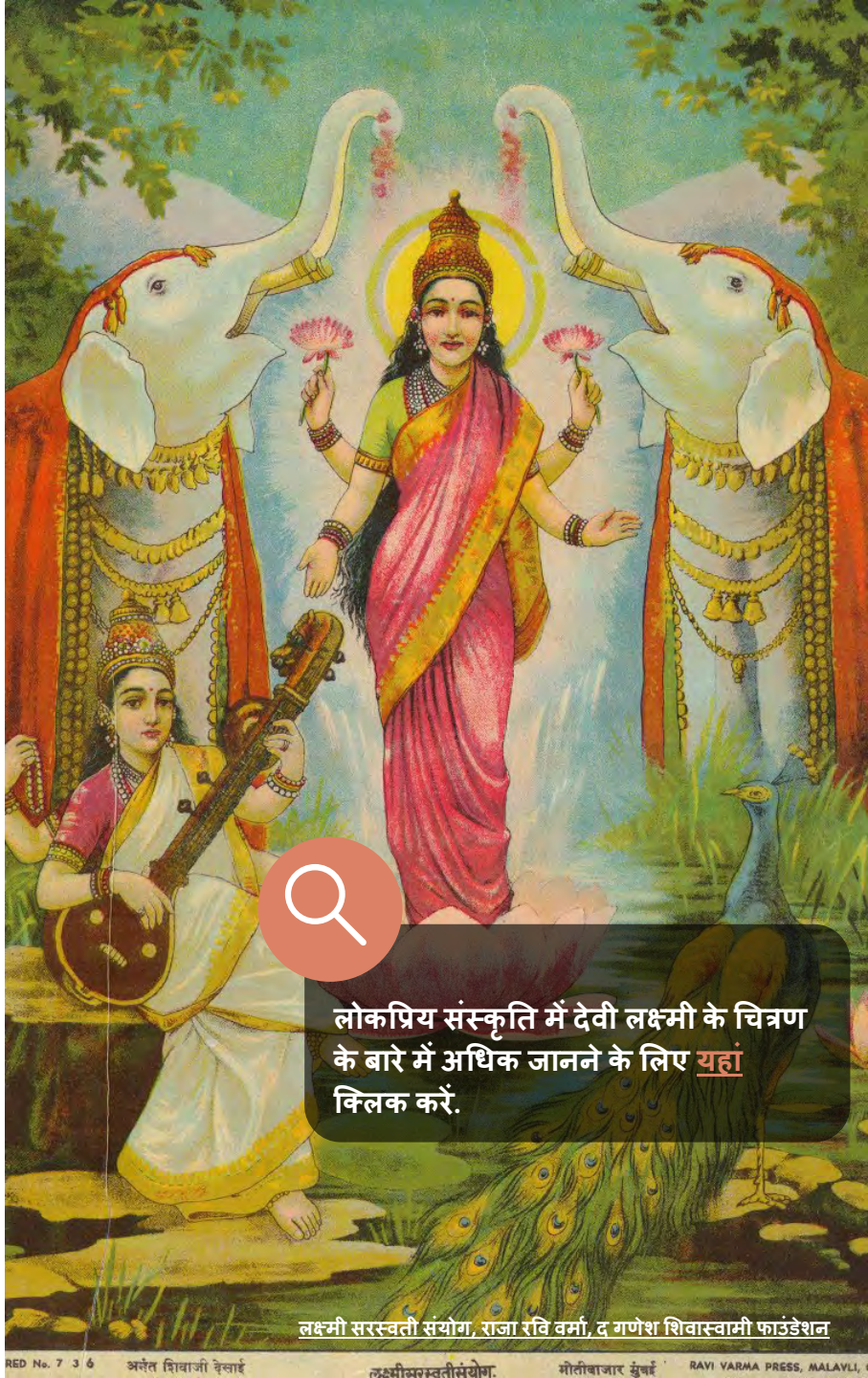

लोकप्रिय संस्कृति में देवी लक्ष्मी के चित्रण के बारे में अधिक जानने के लिए यहां क्लिक करें.

लक्ष्मी सरस्वती संयोग, राजा रवि वर्मा, द गणेश शिवास्वामी फाउंडेशन

काली का पटचित्र, कालीघाट शैली, चित्रकार-रहमान, २०१८, बंगलानाटक

देवी काली

देवों और असुरों के द्वारा मिलकर किए गए समुद्र मंथन से देवी लक्ष्मी और देवी काली दोनों देवियां पैदा हुई। इसलिए दीवाली के दौरान दोनों की पूजा की जाती है। वैसे भारत के पूर्वी भागों में देवी काली पूजा का अधिक प्रचलन है। ऐसा माना जाता है कि यह नया चलन है जिसके बारे में सबसे पहले १६वीं सदी में अभिलेख पाए जाते हैं।

बायीं तरफ दी गयी कहानी पढ़ें। फिर नीचे दिए गए 'सोचो, ढूंढो, और विचार करो' नेमी के तहत काम करें:

सोचो, ढूंढो, और विचार करो।

- देवी काली को देवी लक्ष्मी का विपरीत क्यों माना जाता है?
- भक्त देवी काली की पूजा कैसे करते हैं?
- ग्रामीण, क्षेत्रीय, और आदिवासी देवी-देवताओं को मुख्यधारा के धर्मों में समाहित क्यों किया जाता है? आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?

दीवाली के बारे में प्रचलित पौराणिक आख्यानों में भगवान विष्णु का केंद्रीय महत्व है। भगवान राम और भगवान कृष्ण दोनों को विष्णु का अवतार माना जाता है। वे देवी लक्ष्मी के पति के रूप में भी स्वीकार किए जाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि उन्हें दीवाली से जोड़ने वाली और भी कई चीजें हैं? इसके बारे में जानने के लिए दाहिनी ओर दी गयी कहानी पढ़ें।

दीवाली से संबंधित इतनी सारी पौराणिक आख्यानों और लोक-कथाओं के बारे में जानने के बाद आप इनका पुंज-मानचित्र बना सकते हैं।

मुख्य विचारों के बारे में मंथन करें

दीवाली से जुड़े सभी प्रमुख देवी-देवताओं के बारे में आप एक पुंज-मानचित्र बना सकते हैं। आप के मानचित्र के ठीक बीच में उस देवी या देवता का नाम एक अनुभाग के अंदर लिखा हो सकता है।

मुख्य विचार से संबंधित अन्य छोटे-छोटे विचारों पर ध्यान दें

ऑनलाइन शोध कर आप और जानकारियां इसमें शामिल कर सकते हैं जो इस विषय से जुड़ी हैं। केंद्र के चारों ओर अनुभाग में आप इन विचारों को लिख सकते हैं।

आप मानचित्र के ऊपर और परतें जोड़ सकते हैं

नए-नए विचार आने पर ये मानचित्र में बाहर की ओर जगह पाएंगे। हर विचार श्रृंखला को आप एक खास रंग देकर उन्हें रंग संकेत दे सकते हैं। इससे मानचित्र को समझने में आसानी होगी।

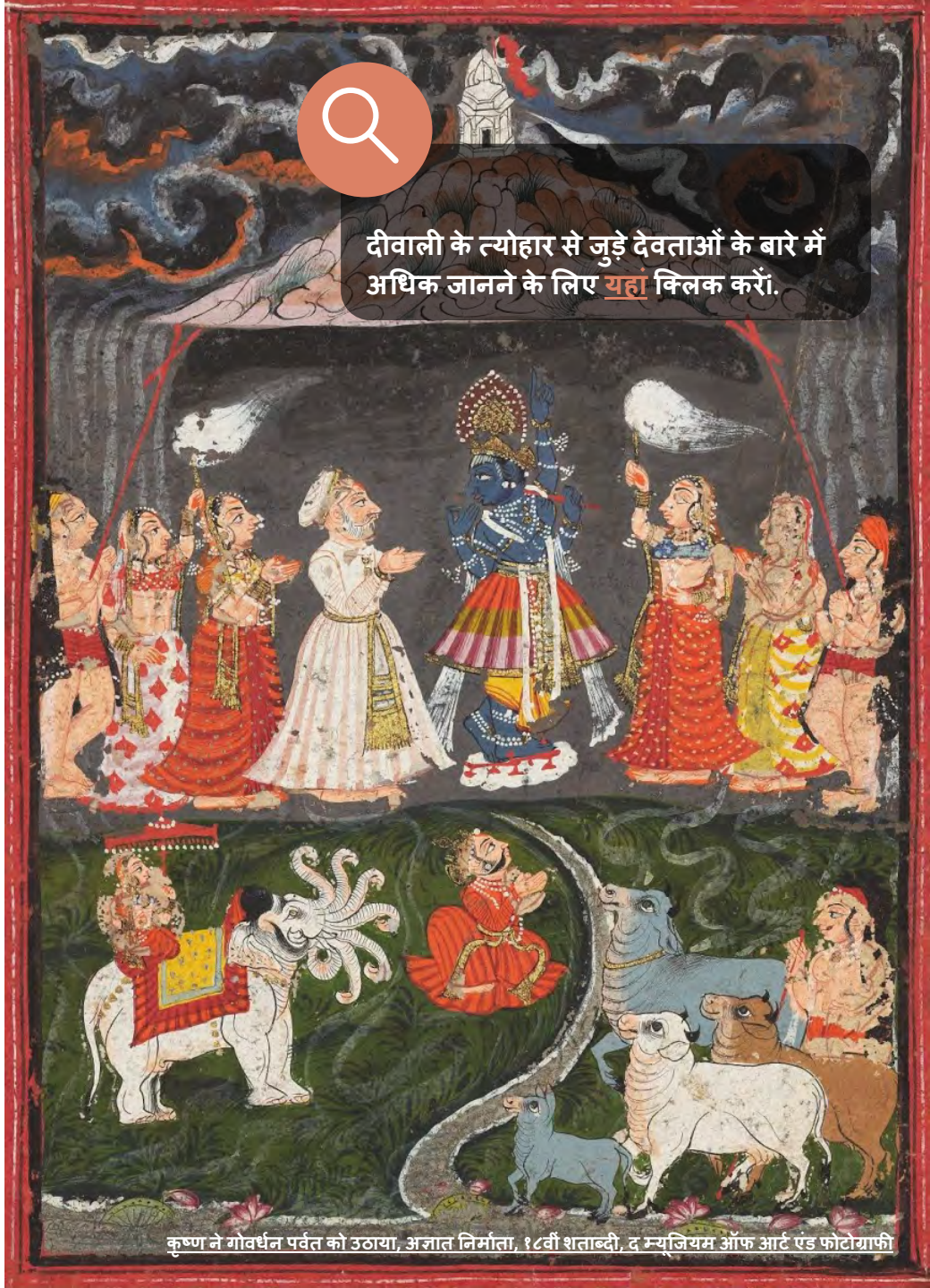

कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को उठाया, अज्ञात निर्माता, १८वीं शताब्दी, द म्यूजियम ऑफ आर्ट एंड फोटोग्राफी

अपनी प्रगति को जांचने के लिए प्रश्नोत्तरी कीजिए

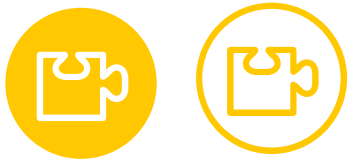

१. हिंदू धर्म में धन और समृद्धि की देवी किसे माना जाता है?

क़ देवी काली
ख़ देवी पार्वती
ग़ देवी सरस्वती
घ देवी लक्ष्मी

२. दीवाली पर्व कितने दिनों तक मनाया जाता है?

क़ पांच
ख़ चार
ग़ एक
घ तेरह

३. रामायण और दीवाली के बीच क्या संबंध है?

क़ यह पर्व भगवान राम के घर वापस आने की स्मृति में मनाया जाता है
ख़ दीवाली भगवान राम का अपनी मां के प्रति प्रेम का उत्सव है
ग़ दीवाली रावण की हार के दिन के रूप में मनाया जाता है
घ यह भगवान राम के जन्मदिन के उत्सव के तौर पर मनाया जाता है

४. इनमें से कौन देवी लक्ष्मी के विपरीत मानी जाती है?

क़ देवी सरस्वती
ख़ देवी पार्वती
ग़ देवी काली
घ देवी दुर्गा

उत्तर पृष्ठ ३४ पर देखे जा सकते हैं

सत्र-२

रीति-रिवाज और परंपराएं

अनुमानित समय –
९० मिनट

रंगोली डिजाइन में जलते हुए दिये, कल्चर चौराहा, २०२०

भारत विविधताओं से भरा हुआ देश है। अलग-अलग समुदायों और इलाकों में दीवाली अपने-अपने तरीकों से मनायी जाती है। लेकिन कुछ ऐसे आचरण हैं जो सभी स्थानों के दीवाली उत्सव में आपको एक जैसे दिखाई देंगे।

दाहिनी तरफ दी गयी कहानी को गौर से पढ़ें। इसके आधार पर 'संक्षेप से विस्तार' नेमी का इस्तेमाल कर आप दीवाली का उत्सव दर्शाता एक डायोरामा बनाएं।

संक्षेप से विस्तार

कहानी को पढ़ें। इसके बाद बिना इसे देखे जल्दी से दीवाली के उत्सव के बारे में अपनी जानकारी के आधार पर एक रेखाचित्र बनाएं।

अपने किसी साथी के साथ रेखाचित्र की अदला बदली करें। फिर एक दूसरे को बताएं कि रेखाचित्र में आप दोनों को क्या नजर आ रहा है। दीवाली उत्सव के बारे में एक दूसरे के नजरिए से देखकर जानकारी हासिल करें।

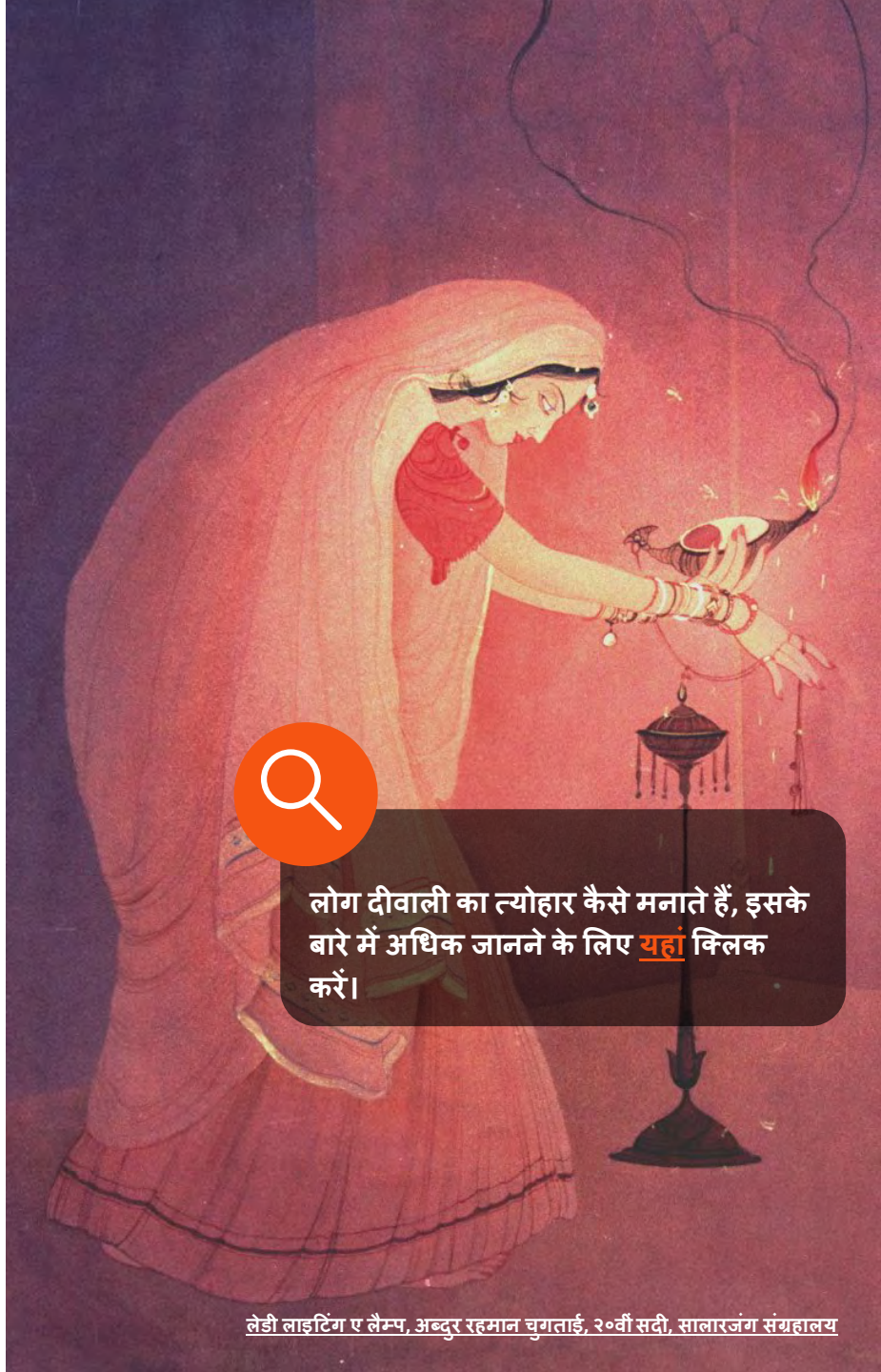

लोग दीवाली का त्योहार कैसे मनाते हैं, इसके बारे में अधिक जानने के लिए यहां क्लिक करें।

लेडी लाइटिंग ए लैम्प, अब्दुर रहमान चुगताई, २०वीं सदी, सालारजंग संग्रहालय

पीतल पतीली कड़छी, पंजाबी ठठेरा आर्ट लिगेसी (पी-टी ए एल)

पवित्र सामानों की खरीदारी

दीवाली को नए सामानों की खरीदारी के लिए पवित्र अवसर माना जाता है। लोगों की मान्यता है कि इस तरह की खरीदारी शुभ होती है और इससे उन्हें सौभाग्य की प्राप्ति होगी।

उत्सव के अवसर पर लोग प्रायः क्या खरीदते हैं?

लोग धनतेरस के दिन सोने या चांदी के सिक्के खरीदते हैं। पीतल के बने रसोई के सामान और बरतन खरीदना अच्छा माना जाता है। दीवाली और इसके आसपास उत्सव के अवसर पर परिवार और दोस्तों के लिए उपहार भी खरीदे जाते हैं।

क्या आप इस बात की खोजबीन कर पता लगा सकते हैं कि धनतेरस के दिन लोग एक दूसरे को उपहार देते हैं या नहीं?

क्या आप जानकारी इकट्ठा कर सकते हैं कि दीवाली के त्योहार के दौरान लोग और किस तरह की चीजें सामान्य रूप से खरीदते हैं?

परंपरागत खानपान

खानपान दीवाली के उत्सव का एक अभिन्न अंग है। इस अवसर पर कुछ लोग स्थानीय दूकानों से परंपरागत मिठाइयां और नमकीन पकवान खरीदना पसंद करते हैं तो कई लोग इन्हें ताजा-ताजा अपने घरों में बनाते हैं।

दाहिनी तरफ दी गयी कहानी में आपको दीवाली के विभिन्न परंपरागत पकवान एवं व्यंजन बनाने के तरीकों की जानकारी मिलेगी। इनमें से एक को चुनें और उसे खुद बनाएं।

तैयारी

आप अपनी पसंदीदा व्यंजन-विधि को चुनें। इसमें इस्तेमाल होने वाली चीजों को लिख लें। कुछ चीजें घर में उपलब्ध होती हैं, कुछ सामान आपको बाजार से खरीदना पड़ सकता है।

पकाना

जब आपके पास सभी सामान इकट्ठा हो जाए तो वीडियो में दिखाए गए तरीके का पालन करते हुए इसे तैयार करें।

चखें (सबसे मजेदार काम!)

इसका स्वाद कैसा लगा? क्या आपने ऐसे स्वाद की ही उम्मीद की थी? आपके दोस्त और परिवार वाले क्या सोचते हैं? क्या इसे बनाना आसान था? क्या आप इसे फिर से बनाना चाहेंगे या फिर कोई दूसरा पकवान बनाना चाहेंगे?

दीवाली के लिए तैयार किए जाने वाले पारंपरिक भारतीय व्यंजनों के बारे में अधिक जानने के लिए यहां क्लिक करें।

तमिलनाडु से दीवाली लंच, अम्मा समयाली

पारंपरिक भारतीय ताश के खेल गंजप्पा के बारे में अधिक जानने के लिए यहां क्लिक करें।

गंजीफा के बारे में, क्राफ्ट रिवाइवल ट्रस्ट

दीवाली का एक बहुत ही मजबूत सामाजिक पक्ष होता है। परंपरागत रूप से इस अवसर पर लोग परिवार वालों या दोस्तों को सूखे मेवे या मिठाइयां तोहफे में देते हैं। इस अवसर पर लोगों को अपने दोस्तों और परिवार के साथ स्नेह का बंधन बढ़ाने का भी अवसर मिलता है। दीवाली के उत्सव के दौरान ताश का खेल बहुत लोकप्रिय होता है।

इस पाठ के दौरान आपने जो सीखा उसे दोहराने के लिए अब 'दावा, समर्थन, प्रश्न' नेमी का इस्तेमाल करें। इस नेमी के लिए आपको एक सहयोगी के साथ मिलकर काम करने की जरूरत होगी।

दावा,	आपने अभी जो कुछ भी सीखा उसके बारे में कोई दावा पेश करें। उदाहरण के लिए- ब्रिटिशों के द्वारा हिंदुस्तान में ५२ पत्तियों वाले ताश को लाने की वजह से गंजीफा का खेल समाप्त हो गया।
समर्थन,	हां, ध्यान रहे कि आप अपने दावे के समर्थन में कोई ठोस विश्वसनीय सूचना का स्रोत पेश कर रहे हैं। इसके लिए आपको ऑनलाइन खोज की जरूरत हो सकती है।
प्रश्न।	आपके दावे के आधार पर आपका सहयोगी इससे संबंधित कोई भी सवाल आप से पूछ सकता है। आप दोनों बारी-बारी से दावा कर सकते हैं और सवाल पूछ सकते हैं।

दीवाली के त्योहार के पहले घरों की साफ-सफाई इससे जुड़ा एक महत्वपूर्ण पहलू होता है।

दीवाली के पहले लोग अपने घरों की साफ-सफाई क्यों करते हैं?

इसके पीछे तर्क यह है कि देवी लक्ष्मी उन्हीं घरों को अपना आशीर्वाद देती हैं जिनमें साफ-सफाई होती है। लोग देवी लक्ष्मी के स्वागत के लिए अपने घरों को बाहर और भीतर से सजाने में काफी मेहनत करते हैं। देवी लक्ष्मी अपने साथ सौभाग्य और समृद्धि लाती है।

क्या आप शोध कर जानकारी हासिल कर सकते हैं कि दीवाली के दौरान लोग अपना घर किस तरह सजाते हैं?

दीवाली जैसे पवित्र त्योहार के पहले अपने घरों की सफाई के पीछे कौन सा सांकेतिक अर्थ है? आप इसके बारे में क्या समझते हैं?

रंगोली के लिए प्रयुक्त ताजे फूल, कल्चर चौराहा, २०२०

भारत में दीप-परंपराओं के बारे में अधिक जानने के लिए यहां क्लिक करें।

पिल्सुज/लैंप स्टैंड, भारतीय संग्रहालय, कोलकाता

दुनिया भर में दीवाली को प्रकाश पर्व के रूप में जाना जाता है। इसलिए दीवाली के अवसर पर घरों में जगमगाती रोशनी देखकर हमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए। परंपरागत रूप से यह दीये जलाकर किया जाता है।

परंपरागत भारतीय दीयों के बारे में बायीं ओर दी गयी कहानी को पढ़ें। इसके बाद खुद अपना दीया डिजाइन करें।

अपने दीये के लिए डिजाइन चुनें

बायीं ओर दी गयी कहानी में आपने दीयों के कई नमूने देखे। इनमें जिस नमूने से आप प्रभावित हुए हों आप उसे चुन सकते हैं। आप ऑनलाइन भी दीयों के नमूनों को ढूंढ सकते हैं। आप मिट्टी, प्लास्टीसीन या, आटे का इस्तेमाल कर दिया बना सकते हैं।

अपनी कृति को सजाएं

दीयों के सूखने के बाद आप इन्हें रंग कर सकते हैं या ग्लिटर या सजाने के किसी दूसरे सामान का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आपने शायद रंगोली के बारे में सुना होगा। यह भारत में अनुष्ठान से जुड़ी एक प्राचीन कला है। इसका शाब्दिक अर्थ होता है रंगों की कतार। इन्हें दीवाली जैसे पवित्र अवसरों पर घर के फर्शों पर बनाया जाता है। आप रंगोली के बारे में अधिक जानकारी यहां हासिल कर सकते हैं।

अब आप रंगोली और अइपन के बारे में जान चुके हैं। आप 'देखो, सोचो, मैं, हम' नेमी का प्रयोग कर इन दो परंपरागत कलाओं की व्याख्या कर सकते हैं।

देखो।

आपने रंगोली और अइपन के बारे में क्या-क्या देखा? इनकी एक सूची बनाएं।

सोचो।

अइपन और रंगोली के बारे में आपके मन में क्या विचार आते हैं? आप इनके बारे में क्या सोचते हैं?

मैं।

क्या आप इन अनुष्ठान आधारित कलाओं से जुड़ाव महसूस करते हैं? क्यों या क्यों नहीं?

हम।

दुनिया के लिए इन परंपरागत कलाओं का क्या महत्व है?

अइपन की कुमाऊंनी अनुष्ठान कला के बारे में अधिक जानने के लिए यहां क्लिक करें।

अइपन, कल्चर चौराहा, २०२०

अपनी प्रगति को जांचने के लिए प्रश्नोत्तरी कीजिए

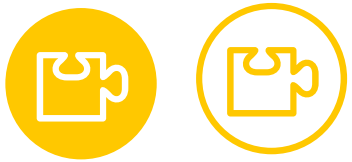

१. निम्नलिखित में किस परंपरा, अनुष्ठान, या रीति-रिवाज को दीवाली से नहीं जोड़ा जा सकता है?

क़ दोस्तों के साथ उपहारों का आदान-प्रदान
ख़ ताश खेलना
ग़ घर की सफाई
घ धार्मिक उपवास

२. अइपन परंपरागत कला का जन्म कहां हुआ?

क़ खासी
ख़ कुमाऊं
ग़ अरावली
घ गढ़वाल

३. दीवाली में घरों को परंपरागत दीयों से क्यों सजाया जाता है?

क़ परंपरागत दीयों को बनाने वाले कारीगरों की मदद के लिए
ख़ क्योंकि अमावस की रात को बहुत अंधेरा होता है
ग़ देवी लक्ष्मी के स्वागत के लिए
घ क्योंकि इससे घर खूबसूरत दिखाई देते हैं

४. धनतेरस के दिन इनमें से किन वस्तुओं की खरीदारी को पवित्र माना जाता है?

क़ सोने और चांदी के सामान
ख़ नए कपड़े
ग़ जमीन-जायदाद
घ लेखन सामग्री

उत्तर पृष्ठ ३५ पर देखे जा सकते हैं

काली मुखौटे का प्रलेपन, दिनाजपुर के कलाकार, २०१९, बंगलानाटक

सत्र-३

कला और हस्तकौशल

अनुमानित समय - ९० मिनट

दीवाली के त्योहार के साथ अनेक स्थानीय कलाएं और हस्तशिल्प बहुत ही गहराई से जुड़ी हुई हैं।

दीवाली के साथ जुड़ी कलाओं और हस्तशिल्प के बारे में जानने के लिए दायीं ओर दी गयी कहानी पढ़ें। इसके बाद 'देखो, सोचो, बनाओ, चर्चा करो' नेमी के आधार पर इनकी व्याख्या करें।

देखो।

कहानी को गौर से पढ़ें। आपको क्या पता चलता है? इसे लिख लें।

सोचो।

प्रत्येक हस्तशिल्प दीवाली से किस तरह जुड़ा है?

बनाओ।

आपने हस्तशिल्प से बनी जिन चीजों को देखा उनसे प्रेरणा लेकर कुछ निर्मित करें और अपने विचारों को परखें। अपने मन से किसी भी कला माध्यम का उपयोग करें।

चर्चा करो।

अपनी बनाई चीज के बारे में चर्चा करें और अपने सहयोगियों के साथ उन्हें साझा करें।

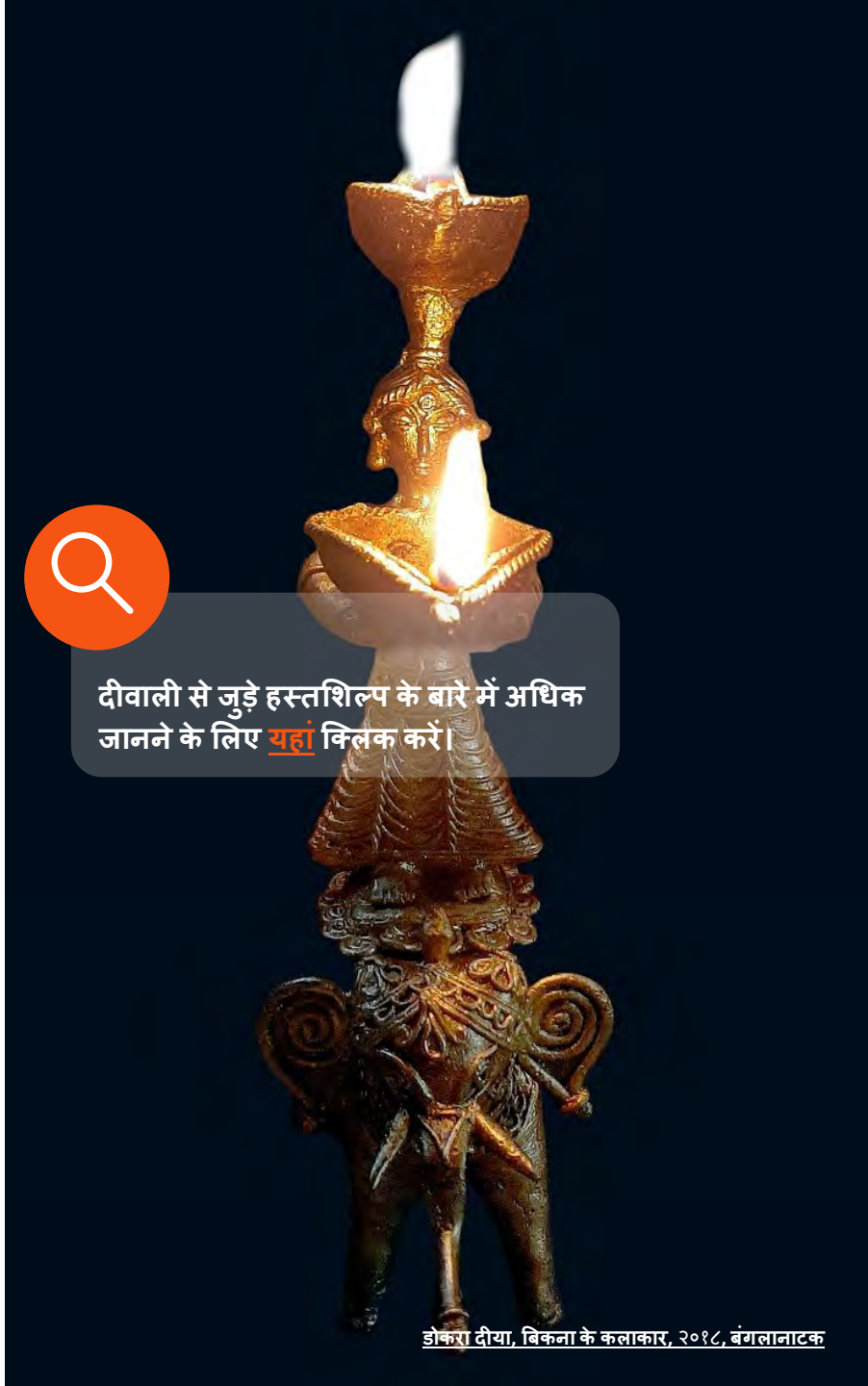

दीवाली से जुड़े हस्तशिल्प के बारे में अधिक जानने के लिए यहां क्लिक करें।

डोकरा दीया, बिकना के कलाकार, २०१८, बंगलानाटक

देवी लक्ष्मी के पटचित्र को देखने के लिए यहां क्लिक करें।

लक्ष्मी का पटचित्र, उत्तम चित्रकार, २०१८, बंगलानाटक

भारत की विशालता और विविधता एक ऐसे माहौल को जन्म देती है जिसमें हर जगह सृजनात्मकता को बढ़ावा मिलता है। हर क्षेत्र के कलाकारों की खास कलात्मक शैली होती है जैसे कि ओडिशा और पश्चिम बंगाल का पटचित्र।

बायीं तरफ दिए गए पटचित्र को गौर से देखें। अब, 'धीरे-धीरे जटिलता की पकड़' नेमी के आधार पर उन चीजों की व्याख्या करें जिन्हें आपने सीखा है।

परखें।

पटचित्र को गौर से देखें। इसकी विशेषताओं को परखें। अपने मन की आंखों में इन्हें बिठा लें।

व्याख्या।

इसकी जटिलता के बारे में एक अनुच्छेद लिखें (या अपने दोस्त को बताएं)।

सोचें।

इस कलाकृति के बारे में कौन सी नयी बातें या सवाल आपके मन में पैदा होते हैं?

पीतल के बरतन

पीतल भारत का एक परंपरागत धातु है। इसे लोग शुभ मानते हैं। इसलिए हैरत की बात नहीं कि दीवाली के दौरान इसका इस्तेमाल अवश्य किया जाता है।

अब दाहिने तरफ दी गयी कहानी को पढें। 'सोचो, ढूंढो, और विचार करो' नेमी का प्रयोग कर आपने जो कुछ सीखा है उसकी व्याख्या करें।

सोचो।

- पीतल किन पदार्थों से बना होता है?

ढूंढो।

- कारीगरों ने धातुओं को मिलाकर पीतल जैसी मिश्र धातुओं को क्यों बनाया?

विचार करो।

- पीतल से बनी चीजों को खुले में रखने पर उनका रंग क्यों बदल जाता है?

भारतीय संस्कृति में पीतल के बर्तनो के महत्व को जानने के लिए यहां क्लिक करें।

पीतल और तांबे की प्लेट, पंजाबी ठठेरा आर्ट लिगेसी (पी-टी ए एल)

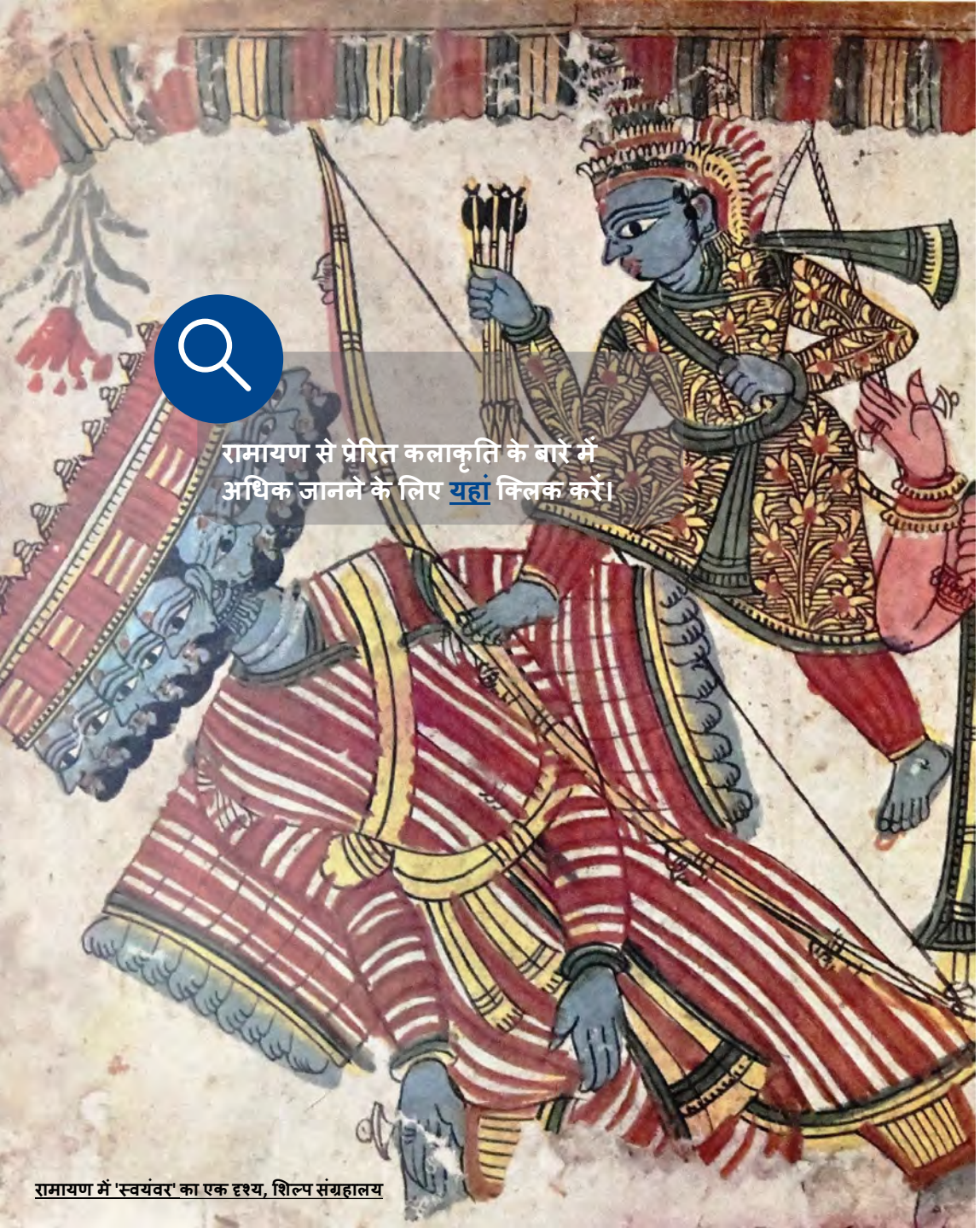

रामायण से प्रेरित कलाकृति के बारे में अधिक जानने के लिए यहां क्लिक करें।

रामायण में 'स्वयंवर' का एक दृश्य, शिल्प संग्रहालय

रामायण जैसे महाकाव्य न केवल दीवाली के लिए प्रेरणा का काम करते हैं बल्कि वे पूरे हिंदुस्तान में कलाकारों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं।

कला और हस्तशिल्प पर रामायण के प्रभाव के बारे में बायीं ओर दी गयी कहानी को पढ़ें। इसके बाद 'जोड़ो, बढ़ाओ, और चुनौती' नेमी का इस्तेमाल कर आपने जो सीखा है उसकी व्याख्या करें।

जोड़ो |

- कहानी में आपको जो सूचना दी गयी है वह आपको पहले से मालूम चीजों से किस तरह जोड़ती है?

बढ़ाओ |

- आपकी समझ के दायरे को विस्तृत करने में किन विचारों ने योगदान किया?

चुनौती |

- इस कहानी में दी गयी किन सूचनाओं के कारण चुनौती भरी बातें और पहेलियां आपके मन में आयी?

रामायण के नाट्य रूपांतरण को रामलीला कहते हैं। दीवाली के पहले त्योहारों के मौसम के दौरान इन्हें पूरे हिंदुस्तान में बहुत ही पसंद किया जाता है।

रामायण की कहानी के आधार पर तैयार विशिष्ट नाटक के बारे में दी गयी कहानी को दाहिनी ओर पढ़ें। फिर हिंदू महाकाव्य पर आधारित अपना खास नाटक तैयार करें।

अपने माध्यम का चुनाव करें

उदाहरण के लिए आप कठपुतली प्रदर्शन का चुनाव कर सकते हैं। या आप रामायण पर आधारित नाटक तैयार कर सकते हैं।

अपना आलेख तैयार करें

पहले सत्र में आपने रामायण का कथा-मानचित्र तैयार कर लिया है। इसके आधार पर आप अपना आलेख तैयार कर सकते हैं।

अपना नाटक प्रस्तुत करें

आलेख तैयार होने के बाद नाटक के सभी पात्रों के साथ मिलकर आप नाटक का अभ्यास कर सकते हैं। तैयारी पूरी होने के बाद आप अपने परिवार, दोस्तों, या सहयोगियों के सामने नाटक प्रस्तुत कर सकते हैं।

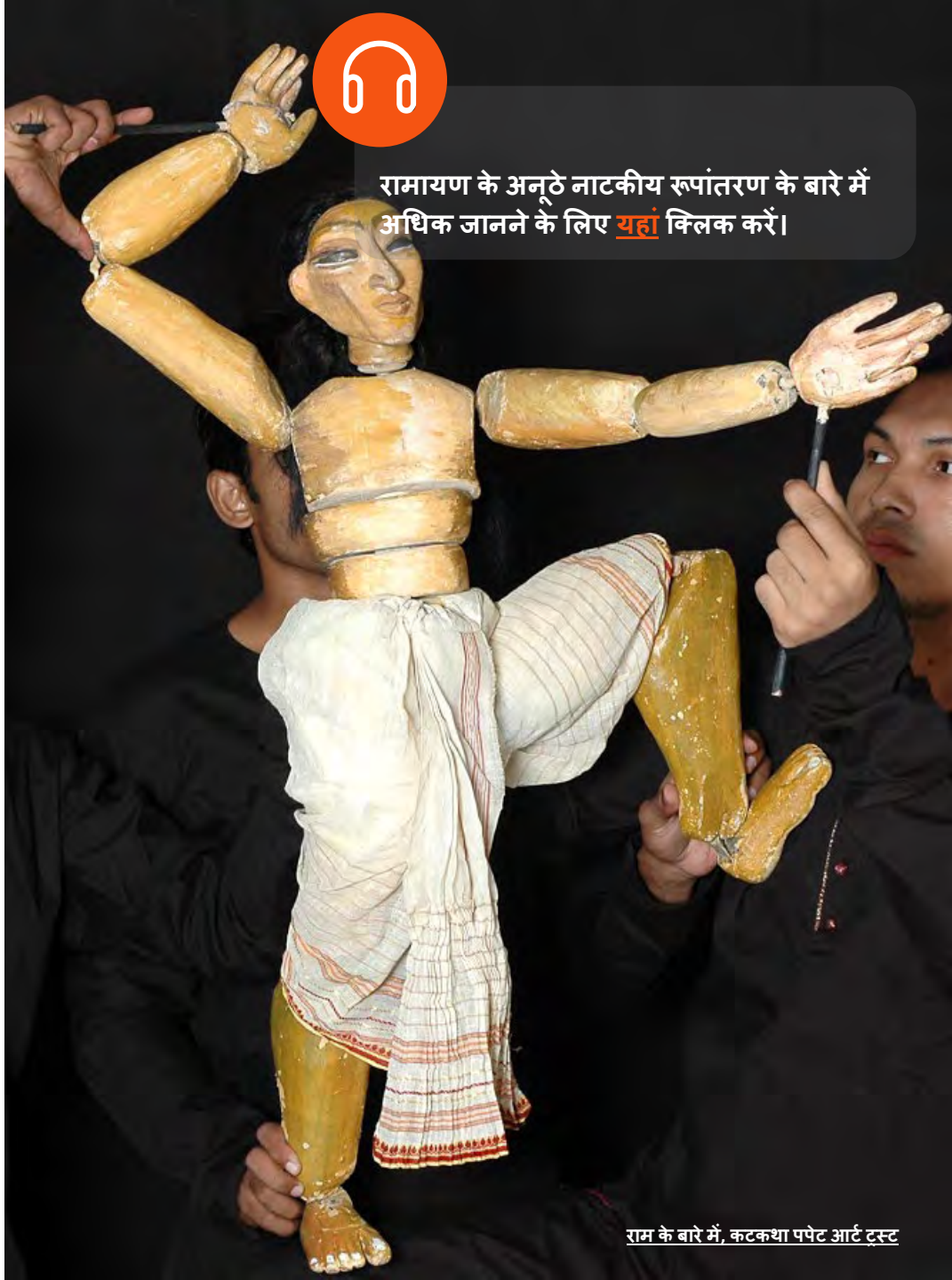

रामायण के अनूठे नाटकीय रूपांतरण के बारे में अधिक जानने के लिए यहां क्लिक करें।

राम के बारे में, कटकथा पपेट आर्ट ट्रस्ट

शास्त्रीय नृत्य

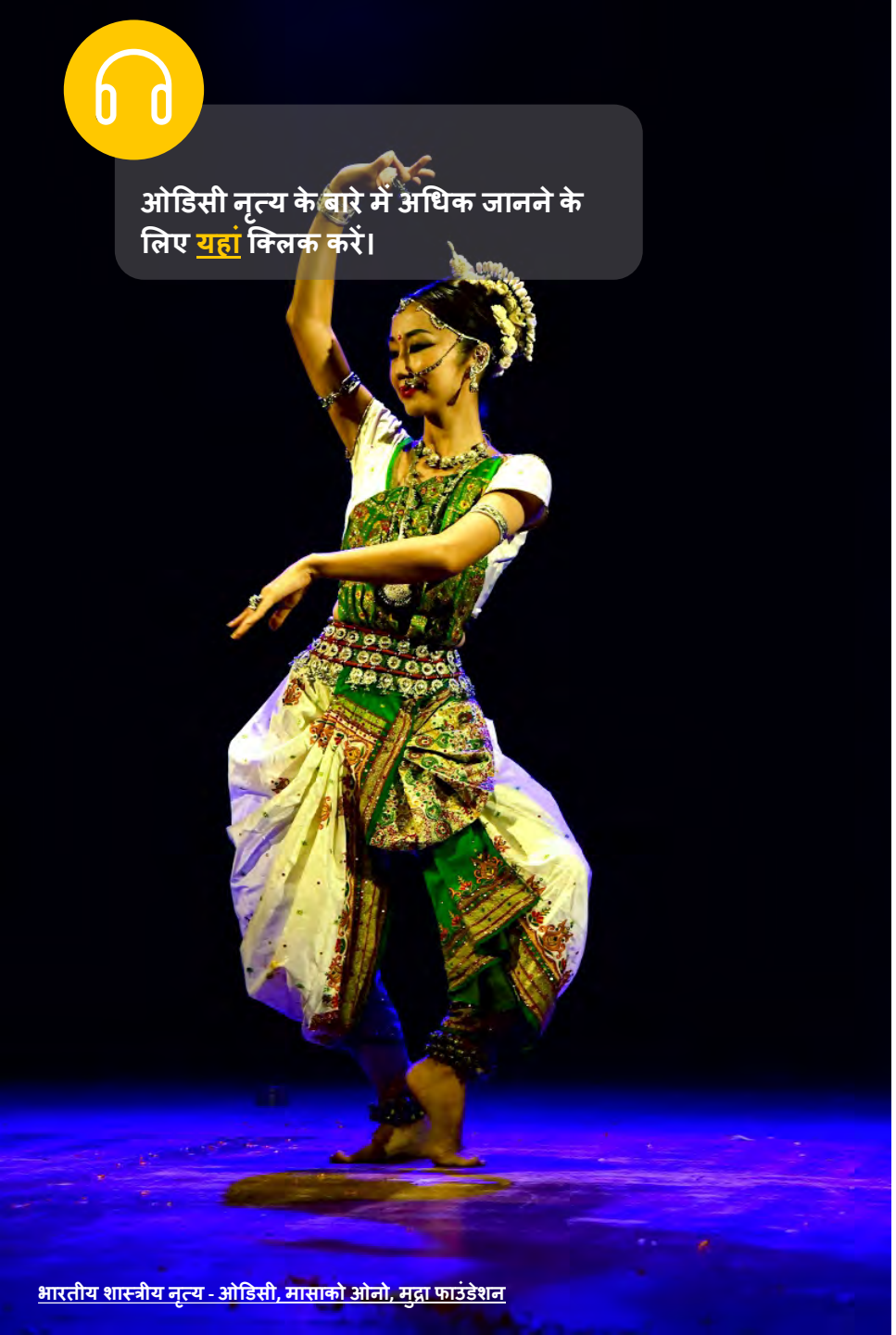

ओडिसी नृत्य के बारे में अधिक जानने के लिए यहां क्लिक करें।

भारतीय शास्त्रीय नृत्य - ओडिसी, मासाको ओनो, मुद्रा फाउंडेशन

भारतीय शास्त्रीय नृत्य की जड़ें नाट्य-शास्त्र में पायी जाती है। नाट्य-शास्त्र प्रदर्शन कलाओं पर आधारित एक प्राचीन हिंदू ग्रंथ है। ये नृत्य मंदिरों के अंदर किए जाते थे और आज भी दीवाली जैसे उत्सवों के अभिन्न अंग माने जाते हैं। अन्य शुभ अवसरों पर भी इन्हें आयोजित किया जाता है।

बायीं तरफ दी गयी कहानी में ओडिसी नृत्य के बारे में पढ़ें। फिर 'देखें, सोचें, गुनें' नेमी के तहत आपने जो कुछ सीखा है उसकी व्याख्या करें।

देखें।

- कहानी किस चीजे के बारे में थी? क्या आपने भारतीय शास्त्रीय नृत्य के बारे में कुछ नया सीखा?

सोचें।

- ओडिसी जैसे भारतीय शास्त्रीय नृत्यों में इस्तेमाल की जाने वाली मुद्राओं का क्या कोई महत्व है?

गुनें।

- ओडिसी नृत्य करने वाले लोग बेहतरीन कपड़ों और गहनों से सजे होते हैं। इसकी क्या वजह हो सकती है?

युगों-युगों से पूरे भारतवर्ष में दीवाली कलाकारों के लिए बड़े आकर्षण का अवसर रहा है। इस उत्सव के दौरान दिखाई देने वाली चमक-दमक और खुशी का माहौल चित्रकारी के लिए उत्साहवर्धक होता है।

अब दाहिनी ओर दी गयी कहानी को पढ़ें और 'नाम दें, व्याख्या करें, और अभिनय करें' नेमी का उपयोग कर उन चीजों की व्याख्या करें जिन्हें आपने सीखा है।

नाम दें।

अपनी याद्दाश्त के आधार पर कहानी से संज्ञाओं की सूची बनाएं।

व्याख्या करें।

सूची के हर शब्द के सामने इसकी व्याख्या लिखें। आपने जिन संज्ञाओं को सूची में शामिल किया है उनके लिए आप किन विशेषणों का प्रयोग करेंगे?

अभिनय करें।

आपने जिन चीजों का नाम दिया है उनके कार्य के बारे में लिखें। वे क्या करते हैं? वे अपनी क्रिया कैसे पूरी करते हैं? वे संपूर्णता में अपना किस तरह योगदान करते हैं?

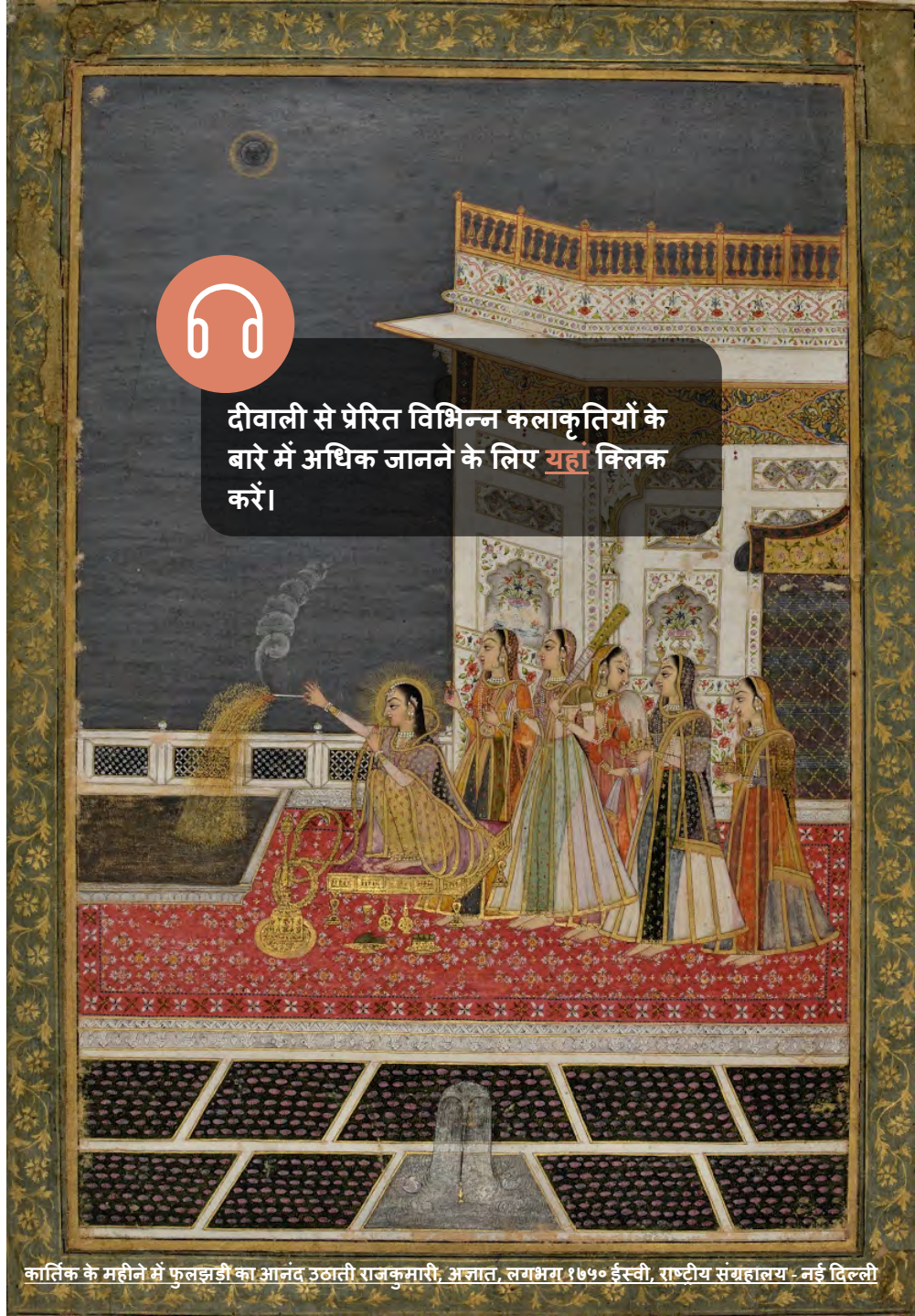

दीवाली से प्रेरित विभिन्न कलाकृतियों के बारे में अधिक जानने के लिए यहां क्लिक करें।

कार्तिक के महीने में फुलझड़ी का आनंद उठाती राजकुमारी, अज्ञात, लगभग १७५० ईस्वी, राष्ट्रीय संग्रहालय - नई दिल्ली

अपनी प्रगति को जांचने के लिए प्रश्नोत्तरी कीजिए

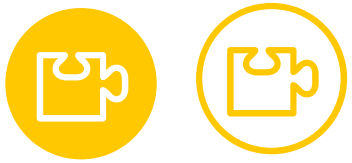

१. रामायण के परंपरागत नाट्य रूपांतरण को क्या कहते हैं?

क़ रंगोली
ख़ रामलीला
ग़ ओडिसी
घ पटचित्र

२. भारतीय शास्त्रीय नृत्य ओडिसी का उद्गम कहां हुआ?

क़ ओडिशा
ख़ दिल्ली
ग़ महाराष्ट्र
घ बंगाल

३. भारत में पीतल के बरतन बनाने वाले प्रसिद्ध समुदाय का क्या नाम है?

क़ भील
ख़ ठठेरा
ग़ पटुआ
घ कुमाऊंनी

४. चित्रकार का क्या अर्थ होता है?

क़ नाचने वाला
ख़ जमींदार
ग़ अभिनेता
घ तस्वीर बनाने वाला

उत्तर पृष्ठ ३६ पर देखे जा सकते हैं

प्रश्नोत्तरी १ के प्रश्नों का उत्तर

१. हिंदू धर्म में धन और समृद्धि की देवी किसे माना जाता है?
घ देवी लक्ष्मी

२. दीवाली पर्व कितने दिनों तक मनाया जाता है?
क़ पांच

३. रामायण और दीवाली के बीच क्या संबंध है?
क़ यह पर्व भगवान राम के घर वापस आने की स्मृति में मनाया जाता है

४. इनमें से कौन देवी लक्ष्मी के विपरीत मानी जाती है?
ग़ देवी काली

प्रश्नोत्तरी २ के प्रश्नों का उत्तर

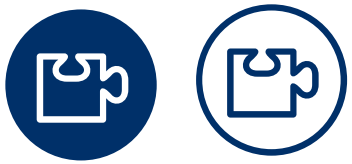

१. निम्नलिखित में किस परंपरा, अनुष्ठान, या रीति-रिवाज को दीवाली से नहीं जोड़ा जा सकता है?
घ धार्मिक उपवास

२. अइपन परंपरागत कला का जन्म कहां हुआ?
ख़ कुमाऊं

३. दीवाली में घरों को परंपरागत दीयों से क्यों सजाया जाता है?
ग़ देवी लक्ष्मी के स्वागत के लिए

४. धनतेरस के दिन इनमें से किन वस्तुओं की खरीदारी को पवित्र माना जाता है?
क़ सोने और चांदी के सामान

प्रश्नोत्तरी ३ के प्रश्नों का उत्तर

१. रामायण के परंपरागत नाट्य रूपांतरण को क्या कहते हैं?
ख़ रामलीला

२. भारतीय शास्त्रीय नृत्य ओडिसी का उद्गम कहां हुआ?
क़ ओडिशा

३. भारत में पीतल के बरतन बनाने वाले प्रसिद्ध समुदाय का क्या नाम है?
ख़ ठठेरा

४. चित्रकार का क्या अर्थ होता है?
घ तस्वीर बनाने वाला